Downloaded From : http://cbseportal.com/

SET-2

Series SGN

कोड नं.
Code No. 61/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **13** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **17** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

सामान्य निर्देश :

(i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।

(ii) प्रश्न संख्या **1** से **3** **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(iii) प्रश्न संख्या **4** से **9** **चार** अंकों वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल **पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(iv) प्रश्न संख्या **10** मूल्य आधारित प्रश्न है और **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है ।

(v) प्रश्न संख्या **11** से **13** **आठ** अंकों वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **350** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या **14** से **16** स्रोत आधारित हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।

(vii) प्रश्न संख्या **17** मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

*(i) Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.*

*(ii) Answer to questions no. **1** to **3** carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

*(iii) Answer to questions no. **4** to **9** carrying **4** marks should not exceed **100** words each. Students should attempt only **five** questions in this section.*

*(iv) Question no. **10** (for **4** marks) is a value based question and **compulsory**.*

*(v) Answer to questions no. **11** to **13** carrying **8** marks should not exceed **350** words each.*

*(vi) Questions no. **14** to **16** are source based questions and have no internal choice.*

*(vii) Question no. **17** is a Map question that includes identification and location of significant test items. Attach the map with the answer-book.*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

खण्ड क

PART A

*नीचे दिए गए **सभी** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :* *2×3=6*

*Answer **all** the questions given below :*

1. 1859 में अंग्रेज़ों द्वारा पारित 'परिसीमन क़ानून' के प्रभाव की जाँच कीजिए । *2*

Examine the impact of 'Limitation Laws' passed by the British in 1859.

2. पुरातत्त्वविदों के हड़प्पाकालीन संस्कृति में शिल्प उत्पादन के केन्द्रों की पहचान के आधार का वर्णन कीजिए । *2*

Describe the basis on which archaeologists identified the centres of craft production in the Harappan culture.

3. भारत में मुग़ल शासन के दौरान ग्राम पंचायतों के राजस्व के स्रोतों की व्याख्या कीजिए । *2*

Explain the sources of revenue of Village Panchayats during the Mughal rule in India.

खण्ड ख

PART B

अनुभाग I

SECTION I

*निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :* *4×5=20*

*Answer any **five** of the following questions :*

4. 600 ई.पू. से 600 ई. में देहात के लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थितियों का वर्णन कीजिए । *2+2=4*

Describe the economic and social conditions of the people living in rural areas from c. 600 BCE to 600 CE.

5. "हड़प्पाई समाज में जटिल फैसले लेने और उन्हें कार्यान्वित करने के संकेत मिलते हैं ।" इस कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि क्या हड़प्पाई समाज में शासकों का शासन रहा होगा । *4*

"There are indications of complex decisions being taken and implemented in the Harappan society." In light of this statement, explain whether there may have been rulers to rule over the Harappan society.

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

6. "धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खिलाफ़त की बढ़ती हुई विषयशक्ति की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप सूफ़ीवाद का विकास हुआ ।" स्पष्ट कीजिए । *4*

"Sufism evolved as a reaction to the growing materialism of the Caliphate as a religious and political institution." Elucidate.

7. भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान कुछ पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) क्यों विकसित किए गए ? स्पष्ट कीजिए । *4*

Explain why some hill stations were developed during the colonial period in India.

8. "इब्न बतूता ने भारतीय उपमहाद्वीप के शहरों को लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर पाया ।" दिल्ली शहर के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए । *4*

"Ibn Battuta found cities in the Indian subcontinent full of exciting opportunities." Explain the statement with reference to the city of Delhi.

9. 1857 के विद्रोह में अवध के ताल्लुकदारों की सहभागिता की जाँच कीजिए । *4*

Examine the participation of the Taluqdars of Awadh in the Revolt of 1857.

अनुभाग II

SECTION II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value Based Question (Compulsory) *4×1=4*

10. "1922 तक गाँधीजी ने भारतीय राष्ट्रवाद को एकदम परिवर्तित कर दिया और इस प्रकार फरवरी 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अपने भाषण में किए गए वायदे को उन्होंने पूरा किया । अब यह व्यावसायिकों व बुद्धिजीवियों का ही आंदोलन नहीं रह गया था, अब हज़ारों की संख्या में किसानों, श्रमिकों और कारीगरों ने भी इसमें भाग लेना शुरू कर दिया । इनमें से कई गाँधीजी के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उन्हें अपना 'महात्मा' कहने लगे । उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि गाँधीजी उनकी ही तरह के वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा में बोलते थे, अन्य नेताओं की तरह वे सामान्य जनसमूह से अलग नहीं खड़े होते थे, बल्कि वे उनसे समानुभूति रखते तथा उनसे घनिष्ठ संबंध भी स्थापित कर लेते थे ।"

ऊपर दिए गए उद्धरण के आलोक में महात्मा गाँधी द्वारा दर्शाए गए किन्हीं चार मूल्यों को उजागर कीजिए । *4*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

"By 1922 Gandhiji had transformed Indian nationalism, thereby redeeming the promise he made in his BHU speech of February 1916. It was no longer a movement of professionals and intellectuals; now, hundreds of thousands of peasants, workers and artisans also participated in it. Many of them venerated Gandhiji, referring to him as their 'Mahatma'. They appreciated the fact that he dressed like them, lived like them and spoke their language, unlike other leaders he did not stand apart from the common folk, but empathised and even identified with them."

In light of the above passage, highlight any four values upheld by Mahatma Gandhi.

खण्ड ग

PART C

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न

Long Answer Questions *8×3=24*

11. भारत में मुग़ल शासकों द्वारा अभिजात-वर्ग में विभिन्न जातियों और धार्मिक समूहों के लोगों की भर्ती क्यों की जाती थी ? व्याख्या कीजिए । *8*

अथवा

मुग़ल साम्राज्य में शाही परिवार की महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका की व्याख्या कीजिए । *8*

Explain why the nobility was recruited from different races and religious groups by the Mughal rulers in India.

OR

Explain the role played by women of the imperial household in the Mughal Empire.

12. "बीसवीं सदी के प्रारम्भिक दशकों के दौरान शुरू हुई साम्प्रदायिक राजनीति देश के विभाजन के लिए मुख्यत: उत्तरदायी थी ।" कथन की जाँच कीजिए । *8*

अथवा

"भारत के विभाजन के कारण राष्ट्रवादी नेता पृथक् निर्वाचिका के प्रस्ताव पर और भड़कने लगे थे ।" कथन की जाँच कीजिए । *8*

"The communal politics that started during the early decades of the 20th century was largely responsible for the partition of the country." Examine the statement.

OR

"Partition of India had made nationalists fervently opposed to the idea of separate electorates." Examine the statement.

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

13. वर्णन कीजिए कि बौद्ध धर्म का विकास किस प्रकार हुआ है । बुद्ध की मुख्य शिक्षाओं की व्याख्या कीजिए । *4+4=8*

अथवा

वर्णन कीजिए कि स्तूपों का निर्माण किस प्रकार किया गया । साँची के स्तूप संरक्षित रहे, परन्तु अमरावती के स्तूप संरक्षित नहीं रहे, ऐसा क्यों ? स्पष्ट कीजिए । *4+4=8*

Trace out the growth of Buddhism. Explain the main teachings of Buddha.

OR

Trace out how stupas were built. Explain why the stupa at Sanchi survived, but not at Amravati.

खण्ड घ
PART D

स्रोत आधारित प्रश्न
Source Based Questions *7×3=21*

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेंगे"

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था :

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रतटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नहीं था कि हमें यहाँ तक आने दिया जाएगा । जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है । तब मैंने सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय ही यह छूट नहीं मिलेगी । यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नहीं हूँ । मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ, इसमें शांति और अहिंसा का कम हाथ नहीं है; इस सत्ता को सब महसूस करते हैं । अगर सरकार चाहे तो वह अपने

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

इस आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हममें से हरेक को गिरफ़्तार कर सकती थी । जब सरकार यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना को गिरफ़्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते हैं । सरकार को ऐसी सेना की गिरफ़्तारी में शर्म महसूस होती है । अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है जो उसके पड़ोसियों को भी रास नहीं आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है । सरकार को हमें गिरफ़्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का खयाल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो ।

कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेंगे । सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं, यह सवाल अलग है । हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखायी है उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है... ।

यदि मुझे और गुजरात व देश भर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया जाता है तो क्या होगा ? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की ज़रूरत नहीं रह जाती ।

(14.1) जब महात्मा गाँधी ने दाण्डी यात्रा शुरू की थी तो उनको कौन-सी आशंकाएँ थीं ? *2*

(14.2) गाँधीजी ने ऐसा क्यों कहा कि इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है ? *2*

(14.3) 'नमक यात्रा' बहुत महत्त्वपूर्ण क्यों थी ? *3*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"Tomorrow we shall break the salt tax law"

On 5 April, 1930, Mahatma Gandhi spoke at Dandi :

> When I left Sabarmati with my companions for this seaside hamlet of Dandi, I was not certain in my mind that we would be allowed to reach this place. Even while I was at Sabarmati there was a rumour that I might be arrested. I had thought that the Government might perhaps let my party come as far as Dandi, but not me certainly. If someone says that this betrays imperfect faith on my part, I shall not deny the charge. That I have reached here is in no small measure due to the power of peace and non-violence : that power is universally felt. The Government may, if it wishes, congratulate itself on acting as it has done, for it could have arrested every one of us. In saying that it did not have the courage to arrest this army of peace, we praise it. It felt ashamed to arrest such an army. He is a civilised man who feels ashamed to do anything which his neighbours would disapprove. The Government deserves to be congratulated on not arresting us, even if it desisted only from fear of world opinion.
>
> Tomorrow we shall break the salt tax law. Whether the Government will tolerate that is a different question. It may not tolerate it, but it deserves congratulations on the patience and forbearance it has displayed in regard to this party. ...
>
> What if I and all the eminent leaders in Gujarat and in the rest of the country are arrested ? This movement is based on the faith that when a whole nation is roused and on the march no leader is necessary.

(14.1) What were the apprehensions of Mahatma Gandhi when he started his Dandi March ? *2*

(14.2) Why did Gandhiji say that the Government deserved to be congratulated ? *2*

(14.3) Why was the 'Salt March' very significant ? *3*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

'उचित' सामाजिक कर्तव्य

महाभारत के *आदिपर्वन्* से एक कहानी उद्धृत है :

> एक बार ब्राह्मण द्रोण के पास, जो कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा देते थे, एकलव्य नामक वनवासी निषाद (शिकारी समुदाय) आया । द्रोण ने जो धर्म समझते थे, उसे शिष्य के रूप में स्वीकार करने से मना कर दिया । एकलव्य ने वन में लौट कर मिट्टी से द्रोण की प्रतिमा बनाई तथा उसे अपना गुरु मान कर वह स्वयं ही तीर चलाने का अभ्यास करने लगा । समय के साथ वह तीर चलाने में सिद्धहस्त हो गया । एक दिन कुरु राजकुमार अपने कुत्ते के साथ जंगल में शिकार करते हुए एकलव्य के समीप पहुँच गए । कुत्ता काले मृग की चमड़ी के वस्त्र में लिपटे निषाद को देखकर भौंकने लगा । क्रोधित होकर एकलव्य ने एक साथ सात तीर चलाकर उसका मुँह बंद कर दिया । जब वह कुत्ता लौटा तो पांडव तीरंदाज़ी का यह अद्भुत दृश्य देखकर आश्चर्यचकित हो गए । उन्होंने एकलव्य को तलाशा, उसने स्वयं को द्रोण का शिष्य बताया ।
>
> द्रोण ने अपने प्रिय शिष्य अर्जुन से एक बार यह कहा था कि वह उनके सभी शिष्यों में अद्वितीय तीरंदाज़ बनेगा । अर्जुन ने द्रोण को उनका यह प्रण याद दिलाया । द्रोण एकलव्य के पास गए जिसने उन्हें अपना गुरु मानकर प्रणाम किया । तब द्रोण ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसके दाहिने हाथ का अँगूठा माँग लिया । एकलव्य ने फ़ौरन गुरु को अपना अँगूठा काट कर दे दिया । अब एकलव्य तीर चलाने में उतना तेज़ नहीं रहा । इस तरह द्रोण ने अर्जुन को दिए वचन को निभाया : कोई भी अर्जुन से बेहतर धनुर्धारी नहीं रहा ।

(15.1) द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य बनाने से मना क्यों किया ? *2*

(15.2) द्रोण ने अर्जुन को दिए अपने प्रण को कैसे पूरा किया ? *2*

(15.3) क्या आप द्रोण के व्यवहार को एकलव्य के प्रति न्यायसंगत ठहराते हो ? यदि ऐसा है, तो एक कारण दीजिए । *3*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"Proper" Social Roles

Here is a story from the *Adi Parvan* of the *Mahabharata* :

> Once Drona, a Brahmana who taught archery to the Kuru princes, was approached by Ekalavya, a forest-dwelling *nishada* (a hunting community). When Drona, who knew the *dharma*, refused to have him as his pupil, Ekalavya returned to the forest, prepared an image of Drona out of clay, and treating it as his teacher, began to practise on his own. In due course, he acquired great skill in archery. One day, the Kuru princes went hunting and their dog, wandering in the woods, came upon Ekalavya. When the dog smelt the dark *nishada* wrapped in black deer skin, his body caked with dirt, it began to bark. Annoyed, Ekalavya shot seven arrows into its mouth. When the dog returned to the Pandavas, they were amazed at this superb display of archery. They tracked down Ekalavya, who introduced himself as a pupil of Drona.
>
> Drona had once told his favourite student Arjuna, that he would be unrivalled amongst his pupils. Arjuna now reminded Drona about this. Drona approached Ekalavya, who immediately acknowledged and honoured him as his teacher. When Drona demanded his right thumb as his fee, Ekalavya unhesitatingly cut it off and offered it. But thereafter, when he shot with his remaining fingers, he was no longer as fast as he had been before. Thus, Drona kept his word : no one was better than Arjuna.

(15.1) Why did Drona refuse to have Ekalavya as his pupil ? *2*

(15.2) How had Drona kept his word given to Arjuna ? *2*

(15.3) Do you think Drona's behaviour with Ekalavya was justified ? If so, give reason. *3*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

16. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कॉलिन मैकेन्जी

1754 ई. में जन्मे कॉलिन मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की । 1815 में उन्हें भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया और 1821 में अपनी मृत्यु तक वे इस पद पर बने रहे । भारत के अतीत को बेहतर ढंग से समझने और उपनिवेश के प्रशासन को आसान बनाने के लिए उन्होंने इतिहास से संबंधित स्थानीय परंपराओं का संकलन तथा ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करना आरंभ किया । वे कहते हैं, "ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत ख़राब प्रबंधन की दुर्गति से लंबे समय तक जूझता रहा ।" विजयनगर के अध्ययन से मैकेन्जी को यह विश्वास हो गया कि कंपनी, "स्थानीय लोगों के अलग-अलग कबीलों, जो इस समय भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा थे, को अब भी प्रभावित करने वाले इनमें से कई संस्थाओं, क़ानूनों तथा रीति-रिवाज़ों के विषय में बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ" हासिल कर सकती थी ।

(16.1) कॉलिन मैकेन्जी कौन था ? *2*

(16.2) मैकेन्जी ने विजयनगर साम्राज्य की पुन: खोज का प्रयास किस प्रकार किया ? *2*

(16.3) ईस्ट इण्डिया कंपनी के लिए विजयनगर साम्राज्य का अध्ययन किस प्रकार उपयोगी था ? *3*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Colin Mackenzie

Born in 1754, Colin Mackenzie became famous as an engineer, surveyor and cartographer. In 1815 he was appointed the first Surveyor General of India, a post he held till his death in 1821. He embarked on collecting local histories and surveying historic sites in order to better understand India's past and make governance of the colony easier. He says that "it struggled long under the miseries of bad management ... before the South came under the benign influence of the British government." By studying Vijayanagara, Mackenzie believed that the East India Company could gain "much useful information on many of these institutions, laws and customs whose influence still prevails among the various Tribes of Natives forming the general mass of the population to this day."

(16.1) Who was Colin Mackenzie ? *2*

(16.2) How did Mackenzie try to rediscover the Vijayanagara Empire ? *2*

(16.3) How was the study of the Vijayanagara Empire useful to the East India Company ? *3*

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

खण्ड ङ

PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question) *5×1=5*

17. (17.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15 पर), में निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : *1×2=2*

(क) अमृतसर — राष्ट्रीय आंदोलन का महत्त्वपूर्ण केन्द्र ।

(ख) आगरा — बाबर के अधीन एक क्षेत्र ।

(17.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, तीन स्थान जो प्रमुख बौद्ध स्थल हैं, को A, B और C से अंकित किया गया है । उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखिए । *1×3=3*

(17.1) On the given political outline map of **India** (on page 15), locate and label the following appropriately :

(a) Amritsar — an important centre of National Movement.

(b) Agra — a territory under Babur.

(17.2) On the same political outline map of **India**, three places which are major Buddhist sites have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्र. सं. 17 के स्थान पर हैं :*

Note : *The following questions are for the **Visually Impaired Candidates** only in lieu of Q. No. 17 :*

(17.1) राष्ट्रीय आंदोलन के किसी एक केन्द्र का नाम लिखिए ।

(17.2) बाबर के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए ।

(17.3) किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए । *1+1+3=5*

(17.1) Name any one centre of National Movement.

(17.2) Name any one territory under Babur.

(17.3) Name any three Buddhist sites.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रश्न सं. 17.1 और 17.2 के लिए

For question no. 17.1 and 17.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

Downloaded From : http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE